



testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹599 FOR
1 YEAR
BUY NOW

testbook

भारतीय इसरो उपग्रह सूची - PDF में SSC और Banking परीक्षाओं के लिए अध्ययन नोट्स!

इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने 5 दिसंबर 2018 को सफलतापूर्वक जीएसएटी -11 को अंतरिक्ष में लॉन्च किया है। इस **इसरो उपग्रह** को "बिग बर्ड" भी कहा जाता है जिसे दक्षिण अमेरिका में फ्रेंच स्पेस पोर्ट कोरौ से 2.07 बजे (आईएसटी) में लॉन्च किया गया था। जीएसएटी -11 का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ स्थानों पर उपग्रह आधारित इंटरनेट प्रदान करना है और भारत में उड़ानों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने में सहायता करेगा। यह वजन में 5,854 किग्रा भारी भारतीय उपग्रह है जो इसरो की कक्षा में पहुंच चुका है। मई में विफल होने वाले पहले प्रयास के बाद यह लॉन्च इसरो द्वारा दूसरा प्रयास था।

जीएसएटी -11 नवीनतम संचार उपग्रह में नवीनतम अगली पीढ़ी के लिए उच्च है जो पूरे देश में ब्रॉडबैंड सेवा को तेज करेगा। इसके अलावा, यह उपग्रह नई पीढ़ी के अनुप्रयोगों के लिए एक महान मंच होगा। इसकी लागत 600 करोड़ रुपये है और इसकी उम्र 15 साल है।

इंडियन सैटेलाइट जीएसएटी - 29

14 नवंबर 2018 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा में सतीश धवन स्पेस सेंटर से **जीएसएटी -29** संचार उपग्रह ले जाने वाले **जीएसएलवी मार्क III** रॉकेट को लॉन्च करके साल के लिए अपना पांचवां लॉन्च पूरा किया। संचार उपग्रह में का और क्यू बैंड में उच्च थ्रूपुट संचार ट्रांसपोंडर हैं और इसका लक्ष्य भारत के दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च गति डेटा स्थानांतरण का विस्तार करना है।

भारतीय उपग्रहों की सूची देखने से पहले, आइए उपग्रहों के बारे में कुछ सामान्य जानकारी देखें।

#1. सैटेलाइट क्या है?

जो भी चंद्रमा की तरह कुछ और कक्षाओं को कक्षा में रखता है, उसे उपग्रह के रूप में जाना जाता है। उनका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों जैसे मौसम पूर्वानुमान, टेलीविजन प्रसारण, रेडियो संचार, इंटरनेट संचार, जीपीएस इत्यादि के लिए किया जाता है।





testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹400 FOR
4 MONTHS

BUY NOW

testbook

आम तौर पर, दो प्रकार के उपग्रह होते हैं

- **प्राकृतिक** (चंद्रमा की पृथ्वी परिक्रमा)
- **कृत्रिम** (पृथ्वी की कक्षा में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन)

आइए भारतीय उपग्रहों की सालाना सूची को उनके उद्देश्यों के साथ देखें और भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए जिम्मेदार संगठन के बारे में भी जानें।

#2. उपग्रहों के प्रकार

- **भू-तुल्यकालिक (Geosynchronous)**
 - यह भू-समकालिक कक्षा में रखा जाता है।
 - इसकी एक कक्षीय अवधि पृथ्वी की घूर्णन अवधि के समान होती है जिसका अर्थ है कि यह प्रत्येक साइडियल दिन के बाद आकाश में एक ही स्थिति में लौटता है।
- **भू-स्थिर (Geostationary)**
 - यह उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा करता है।
 - यह भूमध्य रेखा पर लगभग 35,800 किलोमीटर (22,300 मील) की ऊंचाई पर रखा गया है।
 - यह उसी दिशा में घूमता है जिस पर पृथ्वी घूमती है (पश्चिम से पूर्व)।

#3. भारतीय इसरो उपग्रह की सूची

भारत ने 1975 में पहली बार 106 विभिन्न तरीके के उपग्रहों को लॉन्च किया था। भारतीय उपग्रहों के लिए जिम्मेदार संगठन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) है। इसरो उपग्रह के साथ सालाना सूचीबद्ध भारतीय उपग्रहों की सूची देखें।



testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹599 FOR
1 YEAR
BUY NOW

testbook

इसरो उपग्रह	लॉन्च की तिथि	उद्देश्य
आर्यभट्ट	19 अप्रैल 1975	- भारत का पहला उपग्रह। - यह इमारत में अनुभव हासिल करने के लिए बनाया गया था और अंतरिक्ष में एक उपग्रह का संचालन।
भास्कर	7 जून 1979	- पहला प्रयोगात्मक रिमोट सेंसिंग उपग्रह। - कैर्री टीवी और माइक्रोवेव कैमरे।
रोहिणी प्रौद्योगिकी पेलोड	10 अगस्त 1979	उड़ान के प्रदर्शन को मापने के इरादे से एसएलवी -3 की पहली प्रयोगात्मक उड़ान, पहला भारतीय लॉन्च वाहन
रोहिणी RS-1	18 जुलाई 1980	भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण।
रोहिणी RS-D1	31 मई 1981	एक ऐतिहासिक सेंसर पेलोड का उपयोग कर रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकी अध्ययन आयोजित करता है।
एरियान यात्री पेलोड प्रयोग	19 जून 1981	पहला प्रयोगात्मक संचार उपग्रह।
भास्कर - II	20 नवंबर 1981	दूसरा प्रयोगात्मक रिमोट सेंसिंग उपग्रह।
INSAT-1A	10 अप्रैल 1982	पहला परिचालन बहु उद्देश्य संचार और मौसम विज्ञान उपग्रह।
रोहिणी RS-D2	17 अप्रैल 1983	आरएस-डी 1 के समान
INSAT-1B	30 अगस्त 1983	पृथ्वी अवलोकन उपग्रह।
रोहिणी उपग्रह स्ट्रेटचड श्रृंखला (एसआरओएसएस -1)	24 मार्च 1987	वाहन के लिए कैरिड पेलोड प्रदर्शन की निगरानी और गामा किरण खगोल विज्ञान के लिए।
IRS-1A	17 मार्च 1988	पहला परिचालन रिमोट सेंसिंग उपग्रह
रोहिणी उपग्रह स्ट्रेटचड श्रृंखला (एसआरओएसएस -2)	13 जुलाई 1988	जर्मन के दूरस्थ संवेदन पेलोड & इसके अलावा अंतरिक्ष एजेसी गामा रे खगोल विज्ञान पेलोड।



**testbook** **PASS****ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS****₹400** FOR 4 MONTHS**testbook****BUY NOW**

INSAT- 1C	21 जुलाई 1988	INSAT-1A के समान।
INSAT- 1D	12 जून 1990	INSAT-1A के समान।
IRS-1B	29 अगस्त 1991	- पृथ्वी अवलोकन उपग्रह। - IRS-1A का बेहतर संस्करण
INSAT- 2DT	26 फरवरी 1992	- यह एक संचार उपग्रह था, पहले अर्बिटो के रूप में बुलाया गया था। - अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, यह कब्रिस्तान कक्षा में रखा गया था
रोहिणी उपग्रह स्ट्रेटचड श्रृंखला (एसआरओएसएस-C)	20 मई 1992	गामा किरण खगोल विज्ञान और खगोल विज्ञान पेलोड।
INSAT- 2A	10 जुलाई 1992	- दूसरी पीढ़ी का पहला उपग्रह - भारतीय निर्मित आईएनएसएटी -2 श्रृंखला।
INSAT- 2B	23 जुलाई 1993	INSAT-2 श्रृंखला में दूसरा उपग्रह।
IRS-1E	20 सितंबर 1993	पृथ्वी अवलोकन उपग्रह।
रोहिणी उपग्रह स्ट्रेटचड श्रृंखला (एसआरओएसएस-C2)	4 मई 1994	SROSS-C के समान।
IRS-P2	15 अक्टूबर 1994	पृथ्वी अवलोकन उपग्रह।
INSAT-2C	7 दिसंबर 1995	भारतीय सीमाओं से परे मोबाइल उपग्रह सेवा, व्यापार के रूप में संचार और टेलीविजन पहुंच।
IRS-1C	28 दिसंबर 1995	पृथ्वी अवलोकन उपग्रह।
IRS-P3	21 मार्च 1996	रिमोट सेंसिंग पेलोड और एक्स-रे खगोल विज्ञान पेलोड।
INSAT-2D	4 जून 1997	INSAT-2C के समान।
IRS-1D	29 सितंबर 1997	पृथ्वी अवलोकन उपग्रह।

LIVE COURSE

GA & BANKING

AWARENESS

Banking Awareness

Financial Awareness

Important Current Affairs

HURRY!!

500 SEATS ONLY!!

BOOK NOW

testbook.com



testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹599 FOR
1 YEAR
BUY NOW

testbook

INSAT-2E	3 अप्रैल 1999	बहुउद्देशीय संचार और मौसम विज्ञान उपग्रह।
Oceansat-1(IRS-P4)	26 मई 1999	- एक महासागर रंग मॉनिटर (ओसीएम) और एक बहु आवृत्ति स्कैनिंग माइक्रोवेव रेडियोमीटर (एमएसएमआर) - पृथ्वी अवलोकन उपग्रह।
INSAT-3B	21 मार्च 2000	बहुउद्देशीय संचार: व्यापार संचार, विकास संचार, और मोबाइल संचार।
GSAT-1	18 अप्रैल 2001	पहले विकास के लिए प्रायोगिक उपग्रह भू-समकालिक उपग्रह की उड़ान।
प्रौद्योगिकी प्रयोग उपग्रह (TES)	22 अक्टूबर 2001	प्रायोगिक उपग्रह रवैया और कक्षा जैसे प्रौद्योगिकियां नियंत्रण प्रणाली, उच्च टोक प्रतिक्रिया पहियों, नई प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली आदि परीक्षण करने के लिए।
INSAT-3C	23 जनवरी 2002	मौजूदा संचार के लिए आईएनएसएटी क्षमता और प्रसारण को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया।
कल्पना -1 (METSAT)	12 सितंबर 2002	इसरो द्वारा निर्मित पहला मौसम विज्ञान उपग्रह। मूल रूप से नाम METSAT। कल्पना चावला के नाम पर नामित
INSAT-3A	9 अप्रैल 2003	संचार के लिए बहुउद्देशीय उपग्रह, प्रसारण और मौसम सेवाओं के साथ INSAT-2E और कल्पना -1 के साथ।
GSAT-2	8 मई 2003	प्रायोगिक उपग्रह विकास परीक्षण उड़ान भू-समकालिक उपग्रह के लिए।
INSAT-3E	27 सितंबर 2003	संचार उपग्रह वृद्धि के लिए मौजूदा आईएनएसएटी सिस्टम।
RESOURCE SAT-1 (IRS-P6)	17 अक्टूबर 2003	- पृथ्वी अवलोकन / रिमोट सेंसिंग उपग्रह। - पूरक और प्रतिस्थापित करने का इरादा है आईआरएस -1 सी और आईआरएस -1 डी।





testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹400 FOR
4 MONTHS
BUY NOW

testbook

EDUSAT	20 सितंबर 2004	भारत का पहला अनन्य शैक्षिक उपग्रह।
HAMSAT	5 मई 2005	राष्ट्रीय और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को शैक्षिक रेडियो सेवाएं प्रदान करने के लिए सैटेलाइट आधारित माइक्रो उपग्रह
CARTOSAT-1	5 मई 2005	2.5 मीटर रेसोल्यूशन के साथ स्टीरियोग्राफिक इन-कक्षा छवियों को प्रदान करता है।
INSAT-4A	21 दिसंबर 2005	सीधा-घर के लिए उन्नत उपग्रह टेलीविजन प्रसारण सेवाएं।
INSAT-4C	10 जुलाई 2006	भू-समकालिक संचार उपग्रह।
CARTOSAT-2	10 जनवरी 2007	उन्नत रिमोट सेंसिंग उपग्रह सक्षम एक पैनक्रोमेटिक कैमरा ले जाने में सक्षम दृश्य-विशिष्ट स्थान छवियों को प्रदान करने के लिए।
अंतरिक्ष कैप्सूल रिकवरी एक्सपेरिमेंट (SRE-1)	10 जनवरी 2007	प्रायोगिक उपग्रह का प्रदर्शन करने के लिए प्रदर्शन के लिए एक कक्षा के मंच की तकनीक सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में प्रयोग।
INSAT-4B	12 मार्च 2007	प्रत्यक्ष-घर-घर (डीटीएच) के लिए आईएनएसएटी क्षमता को बढ़ाता है टेलीविजन सेवाएं और अन्य संचार।
INSAT-4CR	2 सितंबर 2007	यह 12 उच्च शक्ति क्यू-बैंड ट्रांसपोंडर द्वारा डिजाइन किया गया डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) टेलीविजन सेवाएं प्रदान करने के लिए।
CARTOSAT-2A	28 अप्रैल 2008	पृथ्वी अवलोकन / रिमोट सेंसिंग उपग्रह।
IMS-1 (Third World Satellite – TWsat)	28 अप्रैल 2008	कम लागत वाली माइक्रो उपग्रह इमेजिंग मिशन।
Chandrayaan-1	22 अक्टूबर 2008	भारत, यूएसए, यूके, जर्मनी, स्वीडन और बुल्गारिया में निर्मित 11 वैज्ञानिक उपकरण
RISAT-2	20 अप्रैल 2009	रडार इमेजिंग उपग्रह निगरानी करने के लिए इस्तेमाल भारत की सीमाएं और घुसपैठ के हिस्से के रूप में और आतंकवाद विरोधी अभियान।
ANUSAT	20 अप्रैल 2009	- अन्ना विश्वविद्यालय में डिजाइन माइक्रो रिसर्च।

LIVE COURSE

GA & BANKING

AWARENESS

Banking Awareness

Financial Awareness

Important Current Affairs

HURRY!!

500 SEATS ONLY!!

BOOK NOW

testbook.com



testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹599 FOR
1 YEAR
BUY NOW

testbook

Oceansat-2(IRS-P4)	23 सितंबर 2009	- समुद्र विज्ञान के लिए डेटा एकत्र करता है, - तटीय और वायुमंडलीय अनुप्रयोगों।
GSAT-4	15 अप्रैल 2010	संचार उपग्रह प्रौद्योगिकी प्रदर्शनकारक।
CARTOSAT-2B	12 जुलाई 2010	पृथ्वी अवलोकन / रिमोट सेंसिंग उपग्रह।
StudSat	12 जुलाई 2010	- पहला भारतीय पिको-उपग्रह (1 किलो से कम वजन)। - कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कॉलेज में सात इंजीनियर की एक टीम द्वारा विकसित
GSAT-5P /INSAT-4D	25 दिसंबर 2010	सी-बैंड संचार उपग्रह।
RESOURCESAT-2	20 अप्रैल 2011	इसरो के अठारह रिमोट सेंसिंग उपग्रह
Youthsat	20 अप्रैल 2011	भारत-रूसी विश्वविद्यालय के छात्रों की भागीदारी के साथ तारकीय और वायुमंडलीय उपग्रह।
GSAT-8 /INSAT-4G	21 मई 2011	क्यू-बैंड ट्रांसपोंडर और 2 चैनल गैगन पेलोड संचार उपग्रह है। एल 1 और एल 5 बैंड में परिचालन।
GSAT-12	15 जुलाई 2011	देश के मिलने के लिए विस्तारित सी-बैंड ट्रांसपोंडर.
मेघा-ट्रापिक्स	12 अक्टूबर 2011	मौसम को ट्रैक करने के लिए भारत और फ्रांस द्वारा विकसित किया गया।
जुगनू	12 अक्टूबर 2011	आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित 3 किलो वजन का नैनो-उपग्रह।
RISAT-1	26 अप्रैल 2012	पहले स्वदेशी सभी मौसम के लिए रडार इमेजिंग सैटेलाइट (रिसाट -1)
SRMSAT	12 अक्टूबर 2011	एसआरएम विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नैनो-उपग्रह।





testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹400 FOR
4 MONTHS

testbook

BUY NOW

GSAT-10	29 सितंबर 2012	भारत का उन्नत संचार उपग्रह उच्च शक्ति उपग्रह है आईएनएसएटी सिस्टम में शामिल
SARAL	25 फरवरी 2013	इंडो-फ्रांसीसी उपग्रह मिशन महासागरीय अध्ययन के लिए।
IRNSS-1A	1 जुलाई 2013	यह सात अंतरिक्ष यान का गठन है आईआरएनएसएस अंतरिक्ष खंड।
INSAT-3D	25 जुलाई 2013	उन्नत के साथ मौसम उपग्रह मौसम निगरानी पेलोड।
GSAT-7	30 अगस्त 2013	उन्नत बहु बैंड संचार सैन्य उपयोग के लिए समर्पित उपग्रह।
मंगल ग्रह ऑर्बिटर मिशन (MOM)	5 नवंबर 2013	मंगलयान के रूप में भी जाना जाता है भारत का पहला मंगल ऑर्बिटर है।
GSAT-14	5 जनवरी 2014	तेइसवा भूगर्भीय संचार संवर्धन के लिए भारत का उपग्रह और क्यू-बैंड ट्रांसपोंडर।
IRNSS-1B	4 अप्रैल 2014	आईआरएनएसएस का दूसरा उपग्रह।
IRNSS-1C	15 अक्टूबर 2014	आईआरएनएसएस का तीसरा उपग्रह।
GSAT-16	7 दिसंबर 2014	भारत का चौबीसवा संचार उपग्रह कुल 48 संचार ट्रांसपोंडर ले जाने के लिए कॉन्फिगर किया गया।
IRNSS-1D	28 मार्च 2015	आईआरएनएसएस का चौथा उपग्रह
GSAT-6	27 अगस्त 2015	संचार उपग्रह
Astrosat	28 सितंबर 2015	भारत की पहली समर्पित बहु तरंगदैर्घ्य अंतरिक्ष वेधशाला।
GSAT-15	10 नवंबर 2015	संचार उपग्रह का संचार करता है क्यू-बैंड में ट्रांसपोंडर और एक जीपीएस एडेड जीईओ

LIVE COURSE
**GA & BANKING
AWARENESS**

Banking Awareness
Financial Awareness
Important Current Affairs

HURRY!!
500 SEATS ONLY!!

BOOK NOW

testbook.com





testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹599 FOR
1 YEAR
BUY NOW

testbook

		बढ़ी नेविगेशन (गैगन) पेलोड एल 1 और एल 5 बैंड में परिचालन।
IRNSS-1E	20 जनवरी 2016	आईआरएनएसएस का पांचवें उपग्रह।
IRNSS-1F	10 मार्च 2016	आईआरएनएसएस का छठा उपग्रह।
IRNSS-1G	28 अप्रैल 2016	आईआरएनएसएस का सातवें और अंतिम उपग्रह।
Cartosat-2C	22 जून 2016	पृथ्वी अवलोकन / रिमोट सेंसिंग उपग्रह।
SCATSAT-1	26 सितंबर 2016	मौसम भविष्यवाणी, चक्रवात भविष्यवाणी और भारत को ट्रैकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए लघु उपग्रह।
RESOURCESAT-2A	15 फरवरी 2017	संसाधन निगरानी के लिए लक्षित दूरस्थ संवेदन उपग्रह।
CARTOSAT-2D	15 फरवरी 2017	एकल लॉन्च वाहन (104 उपग्रह) द्वारा शुरू किए गए उपग्रहों की उच्चतम संख्या
PSLV-C38 / Cartosat-2 Series Satellite	23 जून 2017	कार्टोसैट लगभग पांच वर्षों तक रिमोट सेंसिंग सेवाएं प्रदान करेगा।
PSLV-C40/Cartosat-2 Series Satellite Mission	12 जून 2018	उच्च रिजॉल्यूशन दृश्य विशिष्ट स्पॉट इमेजरी प्रदान करना।
PSLV-C41/IRNSS-1I	12 अप्रैल 2018	नेविगेशन उपग्रह नक्षत्र
NovaSAR, S1-4	16 सितंबर 2018	वन मैपिंग, भूमि उपयोग और बर्फ कवर निगरानी, बाढ़ और आपदा निगरानी के लिए।
GSAT-29	14 नवंबर 2018	ग्रामीण इलाकों में ग्राम रिसोर्स सेंटर (वीआरसी) को हाई-स्पीड बैंडविड्थ प्रदान करने के लक्ष्य से।





testbook **PASS**

ATTEMPT ALL TESTS
ACROSS ALL EXAMS

₹400 FOR
4 MONTHS
BUY NOW

testbook

#4. इसरो उपग्रह - महत्वपूर्ण तथ्य

- इसरो का गठन 1969 में डॉ विक्रम साराभाई ने किया था।
- एसएलवी -3 भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण वाहन था। इस परियोजना के निदेशक एपीजे अब्दुल कलाम थे।
- पहले प्रयास में मंगल ग्रह पर पहुंचने वाला भारत एकमात्र देश है।
- उपग्रह आर्यभट्ट का नाम इंदिरा गांधी ने लिया और सोवियत संघ द्वारा लॉन्च किया गया।
- भारत ने पिछले साल जून में अमेरिका से 13 सहित 20 उपग्रहों को लेकर एक रॉकेट लॉन्च करके सफलतापूर्वक एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया है।

हमें आशा है की भारतीय इसरो उपग्रह की सूची आपके लिए उपयोगी थी। ऐसे ही अधिक जानकारीपूर्ण लेखों के लिए नीचे दिए गए लिंक पर जाएं!

जनरल अवेयरनेस

[Oscar Winners 2018](#) [National Film Awards](#)

किसी प्रतिस्पर्धी परीक्षा के लिए एक प्रामाणिक तैयारी के लिए, आपको उतना अभ्यास करना चाहिए जितना आप कर सकते हैं। अभ्यास आपको अपनी अवधारणा बनाने और पैटर्न के बारे में जागरूक करने में मदद करेगा। नीचे दिए गए लिंक पर जाकर प्रश्नों का अभ्यास शुरू करें!

[फ्री अभ्यास करें](#)

यदि आपके पास कोई प्रश्न है और कोई चर्चा शुरू करना चाहते हैं, तो टेस्टबुक पर हमारे विशेषज्ञों और अपने साथी उम्मीदवारों से जुड़ें!

[टेस्टबुक डिस्कशन से जुड़ें](#)

LIVE COURSE
GA & BANKING
AWARENESS

Banking Awareness
Financial Awareness
Important Current Affairs

HURRY!!
500 SEATS ONLY!!
BOOK NOW

testbook.com